A–1336

Total Pages : 6 **Roll No. .....**

MAEC-607

M.A. Economics (MAEC)

राजकोषीय अर्थशास्त्र और संघीय वित्त

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What is the role of the Finance Commission in resolving fiscal problems in the Indian federation ? Discuss the positive impacts the Finance Commission has on the relationship between the Central and State governments in India.

   भारतीय संघ में राजकोषीय समस्याओं के समाधान में वित्त आयोग की क्या भूमिका है ? भारत में केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच संबंधों पर वित्त आयोग के सबसे बड़े सकारात्मक प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

2. Distinguish between productive debt and unproductive debt. Critically discuss the argument that the true burden of public debt depends less on its size and more on the purpose for which the funds were utilized.

उत्पादक ऋण और अनुत्पादक ऋण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। इस तर्क की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए कि सार्वजनिक ऋण का वास्तविक भार उसके आकार पर कम और उस उद्देश्य पर अधिक निर्भर करता है जिसके लिए निधियों का उपयोग किया गया था ?

3. Detail the major objectives and key features of Fiscal Sector Reforms undertaken in India since the early 1990s, particularly focusing on the role of the Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Act.

1990 के दशक के प्रारम्भ से भारत में किए गए राजकोषीय क्षेत्र सुधारों के प्रमुख उद्देश्यों और प्रमुख विशेषताओं का विवरण दीजिए। विशेष रूप से राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफ.आर.बी.एम.) अधिनियम की भूमिका पर ध्यान केन्द्रित कीजिए।

4. Critically evaluate the impact of the Goods and Services Tax (GST) reform on the revenue structure of State Governments in India.

भारत में राज्य सरकारों की राजस्व संरचना पर वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) सुधार के प्रभाव का आलोचनात्मक मूलयांकन कीजिए।

5. Critically analyze the role of the Union Budget as a primary tool for macroeconomic stabilization and long-term economic growth in India.

भारत में व्यापक आर्थिक स्थिरीकरण और दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए प्राथमिक उपकरण के रूप में केन्द्रीय बजट की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the concept of Vertical Imbalance and Horizontal Imbalance in federal finance and name one mechanism used to correct it in India. How does it relate to the goal of equity among states ?

संघीय वित्त में ऊर्ध्वाधर असंतुलन और क्षैतिज असंतुलन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और भारत में इसे ठीक करने के लिए प्रयुक्त एक तंत्र का नाम बताइए। यह राज्यों के बीच समता के लक्ष्य से कैसे संबंधित है ?

2. Define Public Debt. Briefly distinguish between Internal Debt and External Debt.

सार्वजनिक ऋण को परिभाषित कीजिए। आंतरिक ऋण और बाह्य ऋण के बीच संक्षेप में अंतर बताइए।

3. Discuss the fundamental differences between Traditional Budgeting, Performance Budgeting (PBB), and Zero-Base Budgeting (ZBB).

पारंपरिक बजटिंग, प्रदर्शन बजटिंग (पी.बी.बी.) और शून्य-आधार बजटिंग (जेड.बी.बी.) के बीच मूलभूत अंतरों पर चर्चा कीजिए।

4. Distinguish between the concepts of "Cooperative Federalism" and "Competitive Federalism" in the context of public fmance.

सार्वजनिक वित्त के संदर्भ में "सहकारी संघवाद" और "प्रतिस्पर्धी संघवाद" की अवधारणाओं के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. Discuss the major reasons for the phenomenon of tax evasion and tax base erosion in India. particularly concerning direct taxes.

भारत में कर चोरी और कर आधार क्षरण की घटना के प्रमुख कारणों पर चर्चा कीजिए। विशेष रूप से प्रत्यक्ष के संबंध में

6. Briefly distinguish between Direct Taxes and Indirect Taxes, providing one major example of each currently operating in India.

   प्रत्यक्ष करों और प्रत्यक्ष करों के बीच संक्षेप में अंतर बताइए तथा भारत में वर्तमान में लागू प्रत्येक कर का एक प्रमुख उदाहरण दीजिए।

7. Enumerate the main components of the total Tax Revenue of the Central Government of India.

   भारत के केन्द्रीय सरकार के कुल कर राजस्व के मुख्य घटकों का उल्लेख कीजिए।

8. What is Deficit Financing ? Give two primary methods used by the government for deficit financing.

   घाटे की वित्त व्यवस्था क्या है ? घाटे की वित्त व्यवस्था के लिए सरकार द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली दो प्राथमिक विधियाँ बताइए।

****